पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश अगस्त, 2021

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**: अनुलग्नक-I में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/मामले आदि**: शून्य।

3. **सचिवों की समिति के निर्णयों का अनुपालन**

क्रम सं.	**अनुपालन के लिए लंबित सचिवों की समिति के निर्णयों की संख्या।**	**प्रस्तावितकार्ययोजना / समय सीमा।**	**अभ्युक्तियां**
1.	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने का प्रस्ताव। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से विदेश मंत्रालय उन देशों की जांच एवं पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकडने में सहयोग कर सकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यता का भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय दायित्वों के भाग के रूप में कानून के मसौदे को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमी आदि के संबंध में एक दस्तावेज प्रकाशित करेगा। इसके बाद, भारत को वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में शामिल होना चाहिए या नहीं, इस पर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति की पुनः बैठक होगी।	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने क्रिल मछली पकड़ने से संबंधित पहलुओं की जांच की है। जापान और नॉर्वे ने विशेषज्ञता विकसित की है और क्रिल मछली पकड़ने में सहयोग के लिए इन देशों को अंतिम रूप से चिह्नित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। तथापि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है। मसौदा दस्तावेज तैयार है और मंत्रिमंडल सचिवालय के सुझाव प्राप्त हो गए हैं।	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के साथ सहयोग के लिए नीति आयोग के माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

4. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजन के लिए स्वीकृति के मामले**: शून्य।

5. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के स्थापित कार्य व्यवहार- नियमों में छूट दी गयी है**: शून्य

6. **ई-प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति**: कार्यान्वित किया जा रहा है।

7. **लोक शिकायतों की स्थिति:**

महीने के दौरान निपटाई गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या
15	27

8. प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय/विभागों द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:
समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल। जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

9 **(i) इस बात की पुष्टि की जाए कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एवीएमएस (ए.सी.सी रिक्ति निगरानी प्रणाली) पर अद्यतन किया गया है:** इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एवीएमएस पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ii) मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति: इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

(iii) उन मामलों की स्थिति, जहां पीईएसबी से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी तक एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है: शून्य

****

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- 2021 दक्षिण पश्चिम मानसून ऋतु के दूसरे भाग (अगस्त से सिंतबर की अवधि) के दौरान देश में सकल वर्षा सामान्य के सकारात्मक पक्ष में होने की प्रवृत्ती के साथ सामान्य (दीर्घावधि औसत के 95% से 105% तक) होने की सर्वोत्तम संभावना है।
- एनआईओटी ओर पीएमईएल-एनओएए के साथ इंकॉइस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित संयुक्त ओमनी-रामा इंडियन ओशन डेटा पोर्टल 9 अगस्त, 2021 को एनओएए और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के बीच रामा-ओमनी इंडियन ओशन मूरेड बुआय ऐरे कार्यान्वियन व्यवस्था के हस्ताक्षर समारोह के दौरान प्रारंभ किया गया। डॉ. आशुतोष शर्मा, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने श्री क्रेग मैकलीन, अनुसंधान के लिए सहायक प्रशासक तथा कार्यकारी मुख्य वैज्ञानिक, एनओएए की उपस्थिति में पोर्टल लॉन्च किया।
- भारतीय सुनामी पूर्व चेतावनी केन्द्र, इंकॉइस ने 13 अगस्त, 2021 को 00.02 बजे भारतीय मानक समय पर दक्षिण सेंडवीच द्वीप क्षेत्र (दक्षिण अटलांटिक समुद्र) में आग 7.4 तीव्रता के भूंकप की पहचान की तथा भारत तथा हिंद महासागर के देशों को नौ थ्रेट बुलेटिन जारी किया गया। हिंद महासागर में किंग एडवर्ड प्वाइंट टाइड गॉज(एसएओ) पर 64 सेमी तथा मरीयन द्वीप पर 48 सेमी के अधिकतम समुद्र स्तर के साथ एक लघु सुनामी देखी गई।
- डॉ. जितेन्द्र सिंह, माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने 13 अगस्त, 2021 को महिका सभागार में भारतीय वैज्ञानिक समुदाय द्वारा आयोजित राष्ट्रगान हेतु पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का दौरा किया। 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

निर्णय/ अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सार्वजनिक निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए उपयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 28.78 मिलियन किसान सीधे तौर पर एस.एम.एस के जरिए एग्रोमेंट परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/ केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं कोई-मेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

<u>वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क</u>

प्रेक्षणकाप्रकार	अब तक स्थापित	महीनेकेदौरानस्थापित।	डेटारिपोर्टिंग।
स्वचालितमौसमस्टेशन	337*		337
स्वचालितवर्षामापक	389**	--	389
जीपीएस सोंडे आधारित आरएस/आरडब्ल्यू (रेडियो सोंडे/रेडिया वायु) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	28***	--	25
ओजोन (ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	04	--	04

सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	07	--	07
नेफेलोमीटर	12	--	12
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायुगुणवत्तानिगरानीप्रणाली	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) शून्य (मुंबई)**** 10 (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग	---	--	3354
विमानन	79	--	79
विकिरण स्टेशन	46	---	46

*कुल 727 मे से 390 पुराने हैं।
**कुल 1377 में से 988 पुराने हैं।
***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडारों सहित।
**** फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

अगस्त, 2021 के दौरान, प्रत्येक सप्ताह में बृहस्पतिवार को, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र नेवर्षा, सतह के तापमान एवं हवाओं के लिए अगले 4 सप्ताहों तक युग्मित मॉडल आधारित विस्तारित रेंज पूर्वानुमान रीलय टाइम में (i) दीर्घावधि पूर्वानुमान और भारत मौसम विज्ञान विभाग के एग्रोमैट प्रभागों, (ii)भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान के ईआरपी समूह, (iii) स्पेस एप्लीकेशन सेंटर,(iv) स्नो एंड एवेलांच स्टडी एस्टेब्लिसमेंट, (v) भारतीय वायु सेना, (vi) नौसेना,(vii) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, (viii) नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (ix) भारत मौसम विज्ञान विभाग के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों तथा (x) बंगाल इनिशिएटिव फोर मल्टी सेक्टोरल टेक्नीकल एंड इकोनोमिक कॉऑपरेशन देशों के मौसम विज्ञान विभागों को उपलब्ध कराए। साप्ताहिक बर्फ पूर्वानुमान एसएएसई को उनके उपयोग के लिए भी भेजे गए।

मासिक मौसम सारांश (अगस्त, 2021)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महतवपूर्ण घटनाएं

निम्नदाब प्रणाली:- माह के दौरान, तीन निम्न दाबक्षेत्र 1, 16 और 28 अगस्त, 2021 को क्रमश: दक्षिण पूर्वी उत्तर प्रदेश-1, पश्चिम मध्य तथा समीपवर्ती उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी से उत्तर आंध्र प्रदेश- दक्षिण उडीसा के तटों-1, दक्षिण उडीसा-उत्तरी आंध्र प्रदेश तटों से दूर उत्तरी पश्चिमी तथा समीपवर्ती पश्चिम मध्य बंगाल की खाडी-1 पर बने तथा इनके कारण मध्य भारत, पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी भारत तथा दक्षिणी भारत के भागों में व्यापक से व्यापक वर्षा/गर्ज के साथ तूफान आए।

ख) वर्षा परिदृश्य: अगस्त,2021 माह में, पूरे देश में 196.2 मिमी. वर्षा दर्ज की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 258.2 मिमी. का 76% है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारीवर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 450
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे।	75%

दिन 2/48 घंटे	74%
दिन 3/72 घंटे।	74%

घ) तापमान परिदृश्य: अगस्त 2021 माह में देश में समग्र रूप से औसत तापमान 28.07 डिग्री सेल्सियस था, जो कि सामान्य तापमान से 0.52 डिग्री सेल्सियस अधिक था। माह के दौरान देश के मैदानों में अधिकतम तापमान दिनांक 22 और 29 अगस्त, 2021 को आगरा (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) में 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, तथा न्यूनतम तापमान दिनांक 7 अगस्त, 2021 को नरसिंहपुर (पूर्वी मध्य प्रदेश) में 17डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ङ) गरजने और ओलावृष्टि गतिविधि:माह के दौरान (माह की अंतिम तिथि को भारतीय मानक समय 08: 30 तक) गरजने और ओलावृष्टि की घटना नीचे तालिका में दी गई है:

क्र.सं.	**क्षेत्र**	**गरजने वाले दिन**	**अधिकतम गरजने की घटनाएं**	**ओलावृष्टि की घटनाएं**	**गरजने की घटनाएँ**	**धूल भरी आंधी**
1.	दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत	27	27अगस्त	शून्य	शून्य	शून्य
2.	उत्तरी पश्चिमी भारत	31	9 अगस्त	शून्य	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	24	7 अगस्त	शून्य	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	30	27 अगस्त	शून्य	1 (2 अगस्त को पोर्ट ब्लेयर)	शून्य
5.	मध्य भारत	26	30 अगस्त	शून्य	शून्य	शून्य
6.	पश्चिमी भारत	5	--	शून्य	1(17 अगस्त को अहमदाबाद)	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनियां /प्रेस विज्ञप्तियां:
अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन- 124, अखिल भारतीय मौसम अनुमान और प्रतिकूल मौसम चेतावनियां - 124, अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें-4, पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए प्रतिकूल मौसम चेतावनियों सहित पर्वत मौसम बुलेटिन-62,भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के लिए जारी अभियान पूर्वानुमान बुलेटिन: 19, 14 मेक आईएनएफ (मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट, भारतीय सेना) के लिए जारी अभियान पूर्वानुमान बुलेटिन : 21, समुद्री मौसम बुलेटिन-62, प्रतिकूल मौसम के लिए नाउकास्ट मार्गदर्शन बुलेटिन-31, मॉनसून मौसम 2021 के लिए विशेष दैनिक मौसम रिपोर्ट: 31, प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम बुलेटिन -31, उत्तरी हिंद महासागर या डब्ल्यूएमओ/डब्ल्यूएससीएपी पैनल सदस्य देशों के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक-31, चक्रवात उत्पत्ति से संबंधित विस्तारित अवधि आउटलुक (प्रत्येक बृहस्पतिवार को साप्ताहिक आधार पर):-4

प्रकाशन और प्रचालन रिपोर्टें:
i) भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 2 अगस्त 2021 को अगस्त, 2021 माह के लिए दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा पूर्वानुमान जारी किया है। इसकी शुरुआत डॉ. एम. महापात्रा, महानिदेशक, मौसम विज्ञान विभाग , आईएमडी के प्रस्तुतीकरण और उसके बाद मीडिया से बातचीत के साथ हुई ।

ii) भारत के जलवायु नैदानिक बुलेटिन में उपयोग के लिए जुलाई 2021 को समाप्त माह के लिए मासिक और संचयी मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई) मानचित्र तैयार किए गए थे। इन्हें आईएमडी पुणे वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है।

iii) अगस्त 2021 के महीने के लिए ईएनएसओ बुलेटिन और अगस्त से नवंबर 2021 की अवधि के लिए दक्षिण एशिया के लिए मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किए गए।

(त्वरित लिंक: www.imdpune.gov.in/Clim_Pred_LRF_New/Products.html)

iv) दिनांक 04.08.2021, 11.08.2021, 18.08.2021 और 25.08.2021 को समाप्त सप्ताह के लिए चार साप्ताहिक और संचयी मानकीकृत वर्षा सूचकांक (एसपीआई) मानचित्र तैयार किए गए और कृषि मौसम परामर्शी सेवा बुलेटिन में उपयोग के लिए भेजे गए। इन्हें आईएमडी पुणे वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है।

v) दैनिक अखिल भारतीय मौसम सारांश और साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट नियमित आधार पर प्रकाशित की जा रही हैं।

vi) 4 साप्ताहिक, 1, 2, 3, और 4 मासिक समय पैमानों पर 0.5 * 0.5 डिग्री रिज़ॉल्यूशन पर कम्प्यूटीकृत ग्रिडेड एसपीआई और एसपीईआई। आईएमडी पुणे की वेबसाइट पर साप्ताहिक आधार पर उपर्युक्त समय-पैमाने के मैप अपलोड किए गए।

vii) देश में किसान पोर्टल के माध्यम से और पीपीपी मोड के तहत आईवीआर प्रौद्योगिकी और एसएमएसके माध्यम से उपयोगकर्ता समुदाय को कृषि मौसम परामर्शिकाओं का प्रसार जारी रखा जा रहा है। वर्तमान में कृषि मौसम परामर्शिकाएं देश के 25.39 मिलियन किसानों तक सीधे एसएमएस के जरिए पहुंच रही हैं।

viii) 2020 में जलवायु का, क्षेत्रीय जलवायु, दक्षिण एशिया अमेरिकी मौसम विज्ञान सोसायटी के बुलेटिन में प्रकाशित विवरण।लेखक: डॉ. ओ. पी. श्रीजीत, ए.के. श्रीवास्तव

ix) मौसम जर्नल में प्रकाशन के लिए नौ (9) शोध पत्र स्वीकार किए गए और प्रकाशन के लिए विचार हेतु बाईस (22) नए पेपर प्राप्त हुए।

x) जून 2021 और प्री मानसून सीजन 2021 के लिए जलवायु नैदानिक बुलेटिन प्रकाशित किया गया है।

<u>महत्वपूर्ण प्रेस विज्ञप्तियां:</u>भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जुलाई, 2021 माह की दक्षिणपश्चिमी मॉनसून वर्षा पूर्वानुमान जारी किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस माह में कुल 35 प्रेस विज्ञप्तियां जारी कीं।

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण प्रकार	लक्ष्य	अभी तक आरम्भ किए गए	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंप पूर्वानुमान केन्द्र	115	150	130

भूकंप और सुनामी की निगरानी

<u>भूकंप</u>: भारतीय क्षेत्र में 198 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 12 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।
<u>सुनामी</u>**:** सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाले 6 समुद्र तलीय भूकंप (एम>6) आए। यह सूचना सभी घटनाओं के घटित होने के 12 मिनट से कम समय में उपलब्ध कराई गई।

<u>समुद्र प्रेक्षण प्रणाली</u>

प्लेटफॉर्म का प्रकार	लक्ष्य	अगस्त, 2021 तक आरम्भ किए गए	अगस्त, 2021 के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स*	200	374	96
मूरेड बुवॉय	16	19	12
टाइड गेज	36	36	31
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	12	12
एकाउस्टिक डॉपलर करेंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	20	18
सूनामी बुवॉय	4	7	3
वेव राइडर बुवॉय	23	16	7

*शेष फ्लोट्स / ड्रिफ्टर्स ने अपनी कार्यावधि पूरी कर ली है, इसलिए उनसे कोई डेटा नहीं प्राप्त किया जा सकता।

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्रमांक	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	इंटीग्रेटेड पोटेंशियल फिशिंग जोन (PFZ) एडवाइज़री (सी सर्फेस टेम्परेचर (SST), क्लोरोफिल, विंड)।	30
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	27
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) लहरें, पवन,धारा, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई)और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	31
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

आउटरीच एवं जागरुकता

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक ने दक्षिणीपश्चिमी मॉनसून मौसम के उत्तरार्ध एवं अगस्त महीने के दौरान दीर्घकालिक पूर्वानुमान पर तृतीय चरण अद्यतन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के बाद मीडियाकर्मियों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया। इसकी प्रेस ब्रीफिंग यूट्यूब लिंक https://youtu.be/qHV60HwNbjg. पर उपलब्ध है:
- नवीनतम वैश्विक मॉडल पूर्वानुमान इंगित करते हैं कि भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में मौजूदा तटस्थ ईएनएसओ स्थितियां जारी रहने की संभावना है। तथापि, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के मध्य एवं पूर्वी भाग में समुद्र के सतह के तापमान में कमी आने की प्रवृत्ति दिख रही है, तथा मॉनसून मौसम के अंत में अथवा उसके बाद ला निना स्थिति की पुन:सामने आने की संभावना बढ़ की गई है।
- क्षमता निर्माण के हिस्से के रूप में 30 अगस्त से लेकर 3 सितम्बर 2021 तक भारत मौसम विज्ञान विभाग में "प्रभाव आधारित मौसम सेवाओं"पर एक रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- डीडी शिलॉन्ग ने दक्षिणीपश्चिमी मॉनसून के संबंध में दिनांक 4 अगस्त 2021 को भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक का साक्षात्कार लिया।
- रशियन टीवी के संवाददाता ने भारत में दक्षिणीपश्चिमी मॉनसून वर्षा के संबंध में दिनांक 4 अगस्त, 2021 को भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक का साक्षात्कार लिया।
- थॉम्प्सन रायटर्स के संवाददाता ने दिनांक 6 अगस्त, 2021 को भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक का साक्षात्कार लिया।
- आईएएनएस की पत्रकार सुश्री निवेदिता खांडेकर ने को दक्षिणीपश्चिमी मॉनसून के संबंध में दिनांक 11 अगस्त, 2021 भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक का साक्षात्कार लिया।
- पर्यावरणीय पत्रकार श्री ईशान कुकरेती ने आईएमडी के क्रमिक विकास के संबंध में दिनांक 18 अगस्त, 2021 को भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक का साक्षात्कार लिया।
- न्यूजराइज के पत्रकार श्री पवन कुमार ने दक्षिणीपश्चिमी मॉनसून वर्षा के संबंध में दिनांक 24 अगस्त, 2021 को भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक का साक्षात्कार लिया।
- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकॉइस), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान (एनआईडीएम), गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने संयुक्त रूप से "सुनामी रिस्क रिडक्शन एंड रिजिलियंस" सम्बन्धी एक वेबिनार दिनांक 10 अगस्त, 2021 को आयोजित किया। इंकॉइस के वैज्ञानिक श्री चौधरी पतंजली कुमार, सुश्री एम.वी. सुनंदा, तथा श्री बी. अजय कुमार ने भारतीय सुनामी पूर्व चेतावनी प्रणाली, सुनामी आपातकाल प्रतिक्रिया एसओपी दिशानिर्देश, तथा सुनामी तैयारी कार्यक्रम सम्बन्धी प्रजेन्टेशन दिए।
- दिनांक 18 अगस्त, 2021 को अन्तरराष्ट्रीय प्रचालनात्मक समुद्रविज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र (आईटीसीओओशन), इंकॉइस, हैदराबाद द्वारा हाइड्रोग्राफी के नौसेना के अधिकारियों के लिए एक विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम “एडवांस हाइड्रोग्राफी” आयोजित किया गया।

- दिनांक 23-27 अगस्त 2021 के दौरान अन्तरराष्ट्रीय प्रचालनात्मक समुद्रविज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र (आईटीसीओओशन), भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकॉइस) द्वारा "समुद्री डेटा प्रबन्धन के मूलभूत सिद्धांत" संबंधी एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में कुल एक सौ दो (70 विदेशियों समेत) प्रतिभागी उपस्थित हुए।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सभी संस्थानों में 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया।
- भारत में समुद्री सूचना सेवाओं (सुनामी पूर्व चेतावनी, समुद्री दशा पूर्वानुमान, सम्भावित मत्स्याखेट क्षेत्र परामर्शिका) के क्षेत्र में की गई प्रगति के बारे में तेलंगाना और आंध्रप्रदेश क्षेत्रों में आकाशवाणी (एआईआर) पर दिनांक 7 अगस्त, 2021 को प्रात: 10:10 बजे (भारतीय मानक समय) इंकॉइस के निदेशक का साक्षात्कार प्रसारित किया गया।
- दिनांक 12 से 14 अगस्त, 2021 के दौरान आयोजित ओसिकॉन 2021 सम्मेलन में श्री बिश्वजीत हल्दर, वैज्ञानिक सी, एनआईओटी को उनके पेपर "ओमनी बुवॉय सिस्टम में तापमान प्रोफाइल मापन पर मूरिंग मोशन का प्रभाव - एक केस अध्ययन" के सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।
- राष्ट्रीय जलारेखीय संस्थान, गोवा के नौसेना के अधिकारियों हेतु एनसीपीओआर, गोवा में उन्नत जलारेखीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।
- दिनांक 2 से 6 अगस्त, 2021 के दोरान अन्तरराष्ट्रीय मेघ एवं वर्षा आयोग (आईसीसीपी) द्वारा 18वां अन्तरराष्ट्रीय मेघ एवं वर्षा आयोग सम्मेलन आईसीसीपी 2021 का आयोजन किया गया, और इसकी मेजबानी आईआईटीएम द्वारा वर्चुअल मोड में की गई। इस सम्मेलन में 32 देशों के 639 लेखकों ने योगदान किया। इसमें दुनियाभर 120 प्रतिभागी शामिल हुए। पहली बार, अन्तरराष्ट्रीय क्लाउड मॉडलिंग वर्कशॉप में एक कैपीक्स क्लाउड मॉडलिंग केस प्रस्तुत किया गया था। दिनांक 7 अगस्त, 2021 को राडार पर आईसीसीपी शॉर्ट कोर्स आयोजित किया गया था। आईआईटीएम यूट्यूब चैनल पर दिन वार सत्र उपलब्ध कराए जाते हैं: https://www.youtube.com/channel/UC_K_3pxWrgRCJ-RMF82lBJw/videos.
- यह एक नया प्रकाशन, जो कि सम्भवत: अपने प्रकार का पहला है, जिसमें ग्रीष्म मॉनसून टेलीकनेक्शन के विभिन्न पहलुओं के बारे में चर्चा की गई है, इसमें विभिन्न लेखकों ने 23 अध्यायों का योगदान किया गया है। इस पुस्तक में भारतीय मॉनसून टेलीकनेक्शन (ईएनएसओ तथा गैर-ईएनएसओ), नई उन्नतियों एवं भविष्य के चरणों के बारे में बेहतर समझ प्रस्तुत की गई है। (https://www.elsevier.com/books/indian-summer-monsoon-variability/chowdary/978-0-12-822402-1).
- आईपीसीसी द्वारा दिनांक 8-9 अगस्त, 2021 को संयुक्त रूप से आईपीसीसी, आईआईटीएम एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एम्बार्गोड मीडिया ब्रीफिंग ईवेन्ट आयोजित किया था। आईपीसीसी एआर6 डब्ल्यूजी1 की रिपोर्ट, जिसका शीर्षक "जलवायु परिवर्तन 2021: भौतिक विज्ञान आधार" था, के सम्बन्ध में दिनांक 9 अगस्त, 2021 को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। वैज्ञानिकों ने आईपीसीसी रिपोर्ट के लिए दिनांक 9 अगस्त को मीडिया को सम्बोधित किया, जिसे आईपीसीसी के यूट्यूब चैनल https://bit.ly/IPCCLIVE and on the IPCC Facebook page. के माध्यम से प्रसारित किया गया। वैज्ञानिकों ने दिनांक 9 अगस्त, 2021 को आईआईटीएम एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित आईआईटीएम प्रेस मीट के माध्यम से आईपीसीसी रिपोर्ट में आईआईटीएम के योगदानों के बारे में मीडिया को बताया। इसकी प्रेस रिलीज आईआईटीएम की वेबसाइट https://www.tropmet.res.in/other-pdfs/Media-IITM-MoES.pdf. पर उपलब्ध है:
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सभी संस्थानों द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव – भारत 75 पर' के एक अंग के रूप में 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0' आयोजित किया गया था, तथा यह युवा एवं खेल मामले मंत्रालय की एक पहल थी।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल 2021 - जुलाई 2021	अगस्त, 2021	कुल	अप्रैल 2021 - जुलाई 2021	अगस्त, 2021	कुल
वायुमण्डलीय विज्ञान	90	14		4		
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	33	6		1		

ध्रुवीय विज्ञान	21	7		-		
भूविज्ञान एवं संसाधन	40	9		-		
कुल	184			5		

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

पोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	0	31	0
सागर मंजूषा	0	31	0
सागर तारा	7	24	1
सागर अन्वेषिका	0	31	0
सागर कन्या	6	25	1
सागर सम्पदा	0	31	0

अनुलग्नक II

फा.सं. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय/20/01/2017-स्थापना

भारत सरकार

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोदी रोड

नई दिल्ली 110 003

दिनांक: 16सितम्बर, 2021

प्रमाण पत्र

(माह अगस्त 2021 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति अगस्त,2021माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या -13

(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या -11

(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या -01

(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या -01

(ड़) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या -02

(इंदिरा मूर्ति)

संयुक्त सचिव

Js.moes@gov.in